दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:६४ | मुंबई, शनिवार १२ जुलाई २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

UAE से भारत लाया गया ड्रग माफिया कुब्बावाला मुस्तफा, सांगली में थी फैक्ट्री

नई दिल्ली/मुंबईः महाराष्ट्र के सांगली में एक कारखाने से 252 करोड़ रुपये मूल्य के मेफेड्रोन की जब्ती मामले में सीबीआई को बड़ी सफलता मिली है। मुख्य आरोपी कुब्बावाला मुस्तफा को यूएई से भारत लाया गया है। केंद्रीय

अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल और मुंबई पुलिस की मदद से मुस्तफा को भारत लाने के अभियान में समन्वय किया।सिंथेटिक मादक पदार्थ के धंधे में कथित तौर पर लिप्त कुब्बावाला मुस्तफा को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रत्यर्पित करके भारत लाया गया और उसे बाद में मुंबई में गिफ्तार कर लिया गया। मुस्तफा के खिलाफ इंटरपोल का एक रेड नोटिस जारी किया गया था। महाराष्ट्र के सांगली में एक कारखाने से 252 करोड़ रुपये मूल्य के मेफेड्रोन की जब्ती से संबंधित मामले में वांछित कुब्बावाला मुस्तफा को संयुक्त अरब अमीरात से गुरुवार देर रात करीब एक बजे छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे लाया गया। बता दें कि मुंबई अपराध शाखा द्वारा सांगली में एक कारखाने का भंडाफोड़ करते हुए, 126.141 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद करके उसे ज़ब्त कर लिया गया था। मादक पदार्थ मेफेड्रोन को 'म्याऊ म्याऊ' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने बताया कि कुब्बावाला (44) इस मामले के मुख्य आरोपी सलीम डोला का रिश्तेदार है और मेफेड्रोन निर्माण के साथ-साथ आपूर्ति और डिस्ट्रीब्यूशन चैन में भी शामिल था।

टोरेस घोटाले का मास्टरमाइंड यूक्रेन से गिरफ्तार, 150 करोड़ की ठगी का मामला

मुंबईः 'बस कुछ ही हफ्तों में रकम हो जाएगी दोगुनी!' यही सपना दिखाया गया था निवेशकों को। लेकिन हकीकत में जो हुआ, वो देश के सबसे शातिर अंतरराष्ट्रीय पोंज़ी घोटालों में से एक बन गया। जी हां, बात हो रही हैं टोरेस घोटाले की, जिसने 15 हजार से अधिक लोगों को 150 करोड़ रुपये का चूना लगा दिया। अब इस घोटाले के एक बड़े सूत्रधार को यूक्रेन में से खोज निकाला गया है। आरोपी का नाम है लुरचेंको इगोर, जो इस पूरे ठगी तंत्र का 'फ्रंट मैन' बताया जा रहा है।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पुष्टि की है कि उसे भारत लाने की प्रत्यर्पण प्रक्रिया जोरों पर है। टोरेस नाम की योजना के तहत लोगों को यह लालच दिया गया कि यदि वे कंपनी से मोइसोनाइट नामक पत्थर खरीदते हैं, तो उन्हें हर सप्ताह 6झ ब्याज मिलेगा। इसके बाद कंपनी ने एक के बाद एक आकर्षक योजनाएं पेश कीं और लोगों ने भी आंख मूंदकर विश्वास किया। इतना ही नहीं, कई निवेशकों ने तो अपने रिश्तेदारों, मित्रों और पड़ोसियों को भी जोड़ा और देखते ही देखते कंपनी ने करोड़ों रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लिया। लेकिन दिसंबर 2024 में जैसे ही निवेशकों को भुगतान मिलना बंद हुआ, तो उनकी नींद टूटी। 6 जनवरी को मुंबई, मीरा रोड, नवी मुंबई में हजारों निवेशक कंपनी के शोरूम के बाहर सड़कों पर उतर आए।

संजय राउत के एक ट्वीट से महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल

मोदी, अमित शाह, फडनवीस को ट्विट करके राऊत ने दिखाया शिंदे सेना का चेहरा

■ सईद शेख

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) गुट के सांसद संजय राऊत ने शिंदे गुट के मंत्री संजय शिरसाट पर गंभीर आरोप लगाकर महाराष्ट्र की सियासत में खलबली मचा दी है। राऊत ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया कि 'मंत्री पैसों की बॅग लेकर बैठे हैं।' अब यह दावा सच साबित होने की चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि वही कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें मंत्री शिरसाट बेड पर बैठे सिगरेट पीते और फोन पर बात करते दिख रहे हैं। खास बात यह कि उसी पलंग के नीचे पैसों से भरी बॅग साफ नजर आ रही है। आयकर विभाग की नोटिस से पहले से ही मुश्किल में फंसे मंत्री शिरसाट की परेशानियां अब और बढ़ सकती हैं। संजय राऊत ने ट्वीट कर सीधे शिरसाट पर निशाना साधा और इस वीडियो को सार्वजनिक कर दिया। राऊत के ट्वीट के बाद ठाकरे गुट ने तीखे हमले शुरू कर दिए हैं। इस विवाद पर आदित्य ठाकरे ने चुटकी लेते हुए कहा – '33 देश इस प्रकरण पर गौर कर चुके हैं। जो खोके पहले लिए थे, उनमें से एक खोका अब बेडरूम में दिख गया है। चड्डी-बनियान कंपनी ने भी इसमें विज्ञापन कर दिया है! मुख्यमंत्री साहब अब क्या इस भ्रष्टनाथ शिंदे पर कार्रवाई करेंगे? हम तो कहेंगे कार्रवाई नहीं होगी।

अब देखना होगा कि आयकर विभाग क्या कदम उठाता है। कल नोटिस आई, फिर भी मंत्री ऐटी में घूम रहे हैं। संजय गायकवाड के बाद अब संजय शिरसाट भी संजय बनियान के ब्रांड अंबेसडर लग रहे हैं!' वहीं, शिवसेना नेता भास्कर जाधव ने भी सवाल उठाते हुए कहा – 'शिरसाट साहब कह रहे हैं कि बॅग में कपड़े हैं। लेकिन ये बॅग उनके ही बेडरूम में है और उसमें सीधे पैसे नजर आ रहे हैं। अगर इतना ही पुण्य कमाना है तो ये बॅग किसी शिक्षण संस्था या सामाजिक काम के लिए दान कर दें। महाराष्ट्र में आखिर हो क्या रहा है? जनता ने इन्हें सत्ता दी, और ये हाल देखिए – कोई विधायक गाली देता है, कोई तौलिया लपेटकर बैठता है, कोई मारपीट करता है। ये सब सत्ता के नशे में हो रहा है।' फिलहाल संजय शिरसाट ने सफाई देते हुए आरोपों को नकारा है। लेकिन आयकर विभाग की नोटिस और इस वायरल वीडियो ने शिंदे गुट की परेशानी जरूर बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस बॅग प्रकरण पर कोई कार्रवाई करते हैं या फिर यह विवाद यूं ही सियासी हथियार बनकर चलता रहेगा।

'जन सुरक्षा' या जन दमन? विपक्ष ने ईडी से डरकर सौंपा जनता को सरकार के हवाले..

सुनिल इंगोले

अधिवेशन में सत्ता ने जिस चालाकी से 'जन सुरक्षा विधेयक' पारित कराया, वह उतना खतरनाक नहीं जितना उसे बिना आवाज उठाए पारित होने देना खतरनाक है – और यही काम इस देश के रीढ़विहीन, लाचार और अवसरवादी विपक्ष ने किया। ईडी के छापों का इतना डर इनके दिलो-दिमाग में बैठा है कि जनता की आज़ादी पर खुला हमला होते देख कर भी ये आँखें बंद कर, जुबान सी कर, मूकदर्शक बने बैठे रहे। असल में ये विपक्ष नहीं, सत्ता के रहमोकरम पर पलने वाली एक ढहती हुई मंडली है, जिसे सिर्फ अपनी जमा की हुई काली पूंजी सैफ रखने की फिक्र है, ताकि ईडी का नोटिस दरवाज़े पर न पहुँचे और इनके भ्रष्टाचार के पुलिंदे खुले न जाएँ। लोकतंत्र को बचाने का जो नैतिक कर्तव्य इनके कंधों पर था, वह ये ईडी के डर से संसद के गलियारे में ही उतार कर आ गए।

'जन सुरक्षा' के नाम पर जो विधेयक पास हुआ है, वह सरकार को नागरिकों की हर बात, हर गतिविधि और हर विचार पर पहरा बिठाने का खुला लाइसेंस देता है। इसके सहारे किसी भी विरोधी आवाज को देशद्रोह या राष्ट्रविरोधी कह कर चुप कराया जा सकता है। यह सीधा-सीधा अभिव्यक्ति की आज़ादी, निजता और नागरिक स्वतंत्रता पर हथौड़ा है। लेकिन विपक्ष ने इसे रोकने के बजाय, ईडी की छाया से बचने के लिए सत्ता को बिना किसी बहस या शर्त के खुली छूट दे दी। अब कुछ निडर पत्रकार, साहसी सामाजिक कार्यकर्ता और जागरूक नागरिक ही इसे चुनौती दे रहे हैं – क्योंकि विपक्ष तो अपनी तिजोरी बचाने में मग्न है। जनता को समझना होगा कि अगर लोकतंत्र को साँस लेनी है, तो ऐसे नेताओं को खारिज करना होगा। वरना यह 'जन सुरक्षा' नहीं, जन निगरानी विधेयक धीरे-धीरे पूरे समाज को खामोश कर देगा – और तब सवाल पूछने वाला कोई बचेगा भी नहीं।

18 जुलाई को होगा कुछ बड़ा, मीरा रोड पर राज ठाकरे करेंगे जनसभा

महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में 5 जुलाई को हुई ठाकरे बंधुओं की रैली के बाद इस मामले को और तूल मिला है। अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 18 जुलाई को एक बड़ी जनसभा करने जा रहे हैं। राज ठाकरे यह जनसभा मीरा रोड पर आयोजित कर रहे है। राज ठाकरे वहीं से मराठी समाज के लोगों से सीधा संवाद करेंगे। मिली जानकारी के अनुसार राज ठाकरे उसी जोधपुर स्वीट्स में रैली करेंगे जिसके मालिक को मराठी न बोलने पर थप्पड़ मारा गया था। मीरा रोड में मराठी अस्मिता के मुद्दे पर सफल आंदोलन के बाद, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अब एक बड़ा कदम उठाने जा रही है।

पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे खुद 18 जुलाई को मीरा रोड का दौरा करेंगे। इस दौरे को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह मीरा रोड में अपनी आगामी राजनीतिक भूमिका भी स्पष्ट कर सकते हैं। राज ठाकरे 18 जुलाई को शाम 7 बजे मीरा रोड पहुंचेंगे और वहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरे को लेकर मनसे

कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों में उत्साह का माहौल देखा गया है।

हाल ही में, मनसे ने वर्ली डोम में मराठी भाषा की अस्मिता के लिए एक बड़ी रैली निकाली थीष राज्य के साथ-साथ देश भर में इसकी चर्चा थी।आंदोलन के बाद, अब राज ठाकरे के इस दौरे को मनसे की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। यही वजह है कि सबकी निगाहें इस जनसभा पर टिकी हैं। राज ठाकरे के इस दौरे से काफी उम्मीद लगाई जा रही है। कयास लगाए जा रहे है कि इस जनसभा के दौरान राज ठाकरे स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर कोई बड़ा अपडेट दे सकते है।

पुणे में छांगुर बाबा का दाहिना हाथ, बनाई 100 करोड़ की संपत्ति, आतंकी कनेक्शन में मोहम्मद अहमद खान की खैर नहीं

पुणेः उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण के एक मामले में गिरफ्तार जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के नेटवर्क की जांच जारी है। इस मामले में मोहम्मद अहमद खान नाम के एक व्यक्ति की तलाश की जा रही है। उसे छांगुर बाबा का करीबी और गिरोह का वित्तीय प्रबंधक माना जा रहा है। एटीएस की जानकारी के अनुसार, मोहम्मद अहमद खान न केवल अवैध धर्मांतरण, बल्कि संगठित अपराध और आतंकवादी गतिविधियों में भी सक्रिय था। , मोहम्मद अहमद खान छांगुर बाबा का दाहिना हाथ माना जाता है। वह छांगुर बाबा के वित्तीय मामलों और धर्मांतरण के लिए धन का प्रबंधन करता है। उत्तर प्रदेश एटीएस, लखनऊ और बलरामपुर पुलिस की एक टीम आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। लेकिन वह अभी तक पकड़ा नहीं गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के बार-बार अपना ठिकाना बदलने के कारण उसे पकड़ना मुश्किल हो गया है। बलरामपुर निवासी मोहम्मद अहमद खान पर धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर संपत्ति हड़पने और भू-माफिया से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। आरोप है कि ये सभी कृत्य धर्मांतरण के नेटवर्क को मजबूत करने के लिए किए गए थे। सूत्रों के अनुसार, आरोपी खान ने पुणे के पिंपरी इलाके में 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अर्जित की है। यहां कथित तौर पर एक कट्टरपंथी प्रशिक्षण केंद्र चलाया जाता है। जहां लोगों को धर्मांतरण के लिए उकसाया जाता है और कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा का प्रशिक्षण दिया जाता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र और राज्य की सुरक्षा

एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। मोहम्मद अहमद खान की गिरफ्तारी के लिए जल्द ही कोई बड़ी कार्रवाई होने की संभावना है। एजेंसियों का मानना है कि खान की गिरफ्तारी से धर्मांतरण रैकेट और आतंकी फंडिंग के नेटवर्क को ध्वस्त करने में मदद मिलेगी। प्रशासन ने छांगुर बाबा के आलीशान घर को बुलडोजर से गिरा दिया। यह घर अवैध रूप से बनाया गया था। छांगुर बाबा अपने साथियों के साथ वहां रहता था। वह वहीं से धर्मांतरण रैकेट चला रहा था। इसके अलावा, वहां कई संदिग्ध गतिविधियां भी चल रही थीं।

प्रशासन ने छांगुर बाबा के आलीशान घर को बुलडोजर से गिरा दिया। वहां कई सामान मिले। छांगुर बाबा सिर्फ़ विदेशी सामान इस्तेमाल करता था। ये सामान दुबई से आ रहा था। छांगुर बाबा ने घर के अंदर एक गुप्त कमरा बना रखा था, जहां धर्मांतरित लड़कियों को रखा जाता था। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी खान ने महाराष्ट्र के पिंपरी इलाके में 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति जमा कर रखी है। यहां कथित तौर पर एक कट्टरपंथी प्रशिक्षण केंद्र चलाया जाता है, जहां लोगों को धर्मांतरण के लिए उकसाया जाता है और कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा का प्रशिक्षण दिया जाता है।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को मानेगा चुनाव आयोग?

बिहार में मतदाता सूची की गहन समीक्षा को लेकर कई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गईं थीं। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को याचिकाओं पर सुनवाई हुई, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जायमाल्या की खंडपीठ ने सभी पक्षों को सुनने के पश्चात चुनाव आयोग को सुझाव दिया, कि आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को मान्यता दें। सुप्रीम कोर्ट में लगभग साढ़े 3 घंटे बहस चली। दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क रखे। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। इसको ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट की गहन समीक्षा करने पर कोई रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव के रूप में कहा है, चुनाव आयोग बिहार मतदाता सूची की गहन समीक्षा पर, आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को भी शामिल करे। सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को मामले की फिर सुनवाई करने की तारीख नियत की है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट कोई फैसला कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो सुझाव दिए गए हैं उसको लेकर तरह-तरह की आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं। राजनीतिक हल्कों में कहा जा रहा है, सुप्रीम कोर्ट जब भी इस तरह के सुझाव देती है सरकार और चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के सुझाव और आदेशों को नहीं मानता है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने इसी तरह से याचिकाओं का निपटारा किया था। जो आदेश और सुझाव दिये, उसे सरकार ने नहीं माना। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नजर अंदाज कर दिया। मनमाने तरीके से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की। सुप्रीम कोर्ट में अभी भी याचिका लंबित है, जिस पर सुनवाई होनी है। सरकार द्वारा जिस मनमाने तरीके से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की गई। उसके बाद से ही चुनाव आयुक्तों की भूमिका सरकार परस्त होकर रह गई है। विपक्षी दलों द्वारा लगातार चुनाव आयोग के निर्णय और कार्यवाही का विरोध जताया जा रहा है। सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए जो कानून बनाया उसमें 2014 के बाद के किसी भी चुनाव आयुक्त के ऊपर कोई भी अपराधिक मुकदमा दायर नहीं हो सकता है। जब से यह प्रावधान कानून में किया गया है, उसके बाद से चुनाव आयोग के ऊपर सरकार के इशारे पर काम करने के आरोप लग रहे हैं। चुनाव आयुक्त को अब कोई डर और भय नहीं रहा, जिसके कारण चुनाव आयोग विपक्षी दलों की शिकायतों और उनके द्वारा मांगी गई जानकारी नहीं दे रहे हैं। चुनाव आयुक्त के ऊपर अब कोई जिम्मेदारी या कानूनी कार्रवाई तय नहीं हो सकती है। जिसके कारण चुनाव आयुक्त सरकार के ऊपर पूरी तरह से निर्भर हो गए हैं। पिछले लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की भूमिका से एक तरह से सत्ता पक्ष के राजनीतिक दल को फायदा मिला है। सरकार ने चुनाव आयोग के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव किए हैं। चुनाव आयोग अब कोई भी डेटा विपक्षी दलों को उपलब्ध नहीं करा रहा है। चुनाव के दौरान की गई शिकायतों पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। चुनाव का रिकॉर्ड रखने की 45 दिन की समय सीमा तय कर दी है। ऐसे नियमों से राजनीतिक दलों को जो जानकारी प्रमाण के रूप में चहिए होती है, वह नहीं मिल रही है।

महाराष्ट्र में एक जिले में 14000 महिलाओं में मिले कैंसर के लक्षण, क्या बोले स्वास्थ्य मंत्री?

मुंबईः महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में 14 हजार महिलाओं में कैंसर के लक्षण मिले हैं। मराठवाड़ा क्षेत्र में आने वाले इस जिले में पिछले दिनों राज्य सरकार ने व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर जांच की थी। इसमें से 1400 हजार महिलाएं संदिग्ध कैंसर रोगी के तौर पर सामने आई हैं। गुरुवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबितकर ने विधानसभा में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की संजीवनी स्कीम के तहत स्क्रीनिंग के दौरान इन महिलाओं के बारे में यह जानकारी मिली है। आबितकर ने कहा कि 8 मार्च को महिला दिवस से सर्वे की शुरुआत की गई थी। इसके तहत कुल 2,92,996 महिलाओं के बीच जाकर सर्वे किया गया था। हिंगोली के कलेक्टर अभिनव गोयल ने पहले शुरुआती रिपोर्ट में यह संख्या 13,500 बताई थी।

गर्भाशय कैंसर भी मिला

स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबितकर ने बताया कि सर्वे के जवाबों के आधार पर ही यह पता चला है कि करीब 14,500 महिलाओं में कैंसर जैसे लक्षण हैं। उन्होंने कहा कि कुल 14,542 महिलाओं में से तीन को गर्भाशय का कैंसर पाया गया है। इसके अलावा एक महिला को स्तन कैंसर है और 8 को माउथ कैंसर है। स्वास्थ मंत्री ने कहा कि यह जानकारी जिला कलेक्टर की ओर से कैंसर को लेकर चलाए गए जागरूकता अभियान में सामने आई है। यह अभियान इसलिए चलाया गया है ताकि कैंसर की जानकारी शुरुआती स्टेज में ही पता चल सके और फिर उन लोगों का इलाज कराया जा सके।

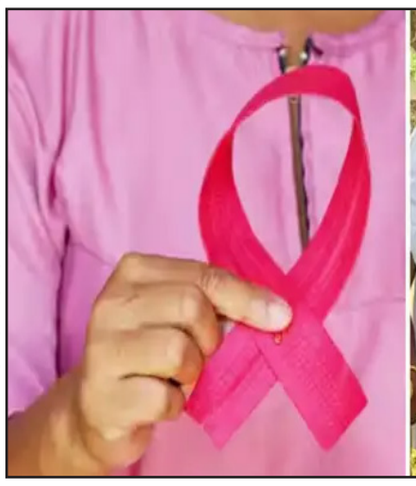

कैसे होगा महिलाओं का इलाज?

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए अलग से किसी कैंसर अस्पताल के निर्माण का प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्क्रीनिंग की व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के 8 जिला अस्पतालों में डे-केयर कीमोथेरेपी सेंटर भी शुरू किए गए हैं। इसके अलावा ऐसे सेंटर्स को राज्य के अन्य जिलों में भी स्थापित करने की तैयारी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिला अस्पतालों में भी इसकी जांच की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए टाटा मेमोरियल अस्पताल से करार हुआ है। टाटा मेमोरियल अस्पताल की ओर से एक टीम महीने में दो बार अस्पतालों में जाएगी और वहां कैंप लगाकर जांच करेगी। यही नहीं निचले स्तर पर जांच के लिए कैंसर योद्धाओं को ट्रेनिंग भी टीम की ओर से दी जाएगी।

महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटखा का बड़ा भंडाफोड़...11.53 लाख का माल जब्त ... एक आरोपी गिरफ्तार...तीन फरार

मुंबई- मुंबई के मानखुर्द पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक गुटखे का करीब 11,53,794 रुपए कीमत का अवैध स्टॉक जब्त किया है। 8 जुलाई 2025 को पुलिस उपायुक्त, परिमंडल 6, समीर शेख के मार्गदर्शन में

मानखुर्द पुलिस थाने की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधु घोरपडे के नेतृत्व में चार विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। शाम करीब 5.30 बजे गुप्त सूचना के आधार पर मंडाला, मानखुर्द क्षेत्र के अलग-अलग पांच ठिकानों पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान रणजितकुमार कृष्णालाल जैसवाल नामक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि महेश और नौकिर समेत तीन अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। इन आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 123, 274, 275 के तहत तथा फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 की विभिन्न धाराओं के तहत मानखुर्द पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। इस सफल कार्रवाई को पुलिस दल ने तेजी, कुशलता और अथक प्रयासों से अंजाम दिया, जिससे मुंबई पुलिस की साख और विश्वास को नई ऊंचाई मिली है। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस उपनिरीक्षक दलवी, आंबेकर, उपनिरीक्षक सुर्वे, आर.सी.एफ. पुलिस थाने के परि. पोउनि. सोनवणे समेत पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक्सीडेंट में घायल को अस्पताल पहुंचाया तो कहलाएंगे 'राहवीर', मिलेगा 25 हजार रुपये का पुरस्कार

ऋषिकेश : परिवहन विभाग के सड़क सुरक्षा सहायक निदेशक नरेश कुमार संघल ने कहा कि यदि मार्ग पर कोई व्यक्ति घायल मिले तो उसे तुरंत एंबुलेंस या निजी मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं। ऐसा करने पर मददगार व्यक्ति राहवीर कहलाएगा, जिसे परिवहन विभाग राहवीर योजना के तहत 25 हजार रुपये पुरस्कार राशि देगा। इस दौरान पहले राहवीर नरेश पाल को विभाग ने पुरस्कृत किया। शुक्रवार को परिवहन विभाग के तत्वावधान में आयोजित सड़क सुरक्षा सप्ताह-संवाद कार्यक्रम में परिवहन विभाग के सड़क सुरक्षा सहायक निदेशक एनके संघल ने कहा भारत में सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय है। इसे रोकने के लिए नागरिकों में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरुकता होनी अति आवश्यक है।

हडपसर में बीमारी से भी बदतर है इलाज; मगरपट्टा ब्रिज के नीचे ट्रैफिक जाम से बचने की योजना नाकाम

मुन्ना मुजावर

हडपसरः मगरपट्टा पुल के नीचे यातायात

डेढ़ महीने पहले, ट्रैफिक पुलिस ने भीड़भाड़ कम करने के लिए चौराहे पर बैरिकेड्स लगाकर मुख्य मार्ग बंद कर दिया था। इससे पुल के नीचे यातायात की गति तेज़ हो गई थी। हालाँकि, इससे फ्लाईओवर पर भीड़भाड़ बढ़ गई है और चौराहे से पैदल चलने वालों को भारी परेशानी हो रही है। इसलिए, नागरिक इस बदले हुए ट्रैफिक प्लान पर गुस्सा जता रहे हैं, क्योंकि इलाज बीमारी से भी बदतर है।

मगरपट्टा चौक से वैदुवाड़ी, मगरपट्टा और हड़पसर तीनों दिशाओं में मुड़ना आसान था। यातायात व्यवस्था ठीक होने से यातायात भी सुचारू था। अस्पताल, स्कूल, धार्मिक स्थल, बस स्टैंड और नौकरी के लिए बाहर जाने वाले नागरिकों के लिए भी चौक सुविधाजनक था। हालाँकि, पुलिस ने चौक पर बैरिकेड्स लगा दिए हैं और हड़पसर से आने वाले, मगरपट्टा की ओर जाने वाले और मगरपट्टा से शहर की ओर जाने वाले सभी वाहनों के लिए यू-टर्न बंद कर दिए हैं। इस वजह से, मगरपट्टा रोड के दोनों ओर का यातायात पुल के ऊपर से गुजरने लगा है। हालाँकि, इस वजह से, इस संकरे पुल पर सुबह, दोपहर और शाम के व्यस्त समय में भारी जाम लग जाता है। यह जाम बढ़ता ही जा रहा है और वाहनों की कतारें लग रही हैं। स्थानीय नागरिकों को स्कूल, अस्पताल, बस स्टैंड, मंदिर, बड़े केंद्र आदि तक पहुँचने और रोज़मर्रा के कामों के लिए लंबी दूरी पैदल चलकर तय करनी पड़ती है या अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। एम्बुलेंस, स्कूल बसें और कामगारों को घंटों ट्रैफिक जाम में खड़ा रहना पड़ता है, जिससे समय के साथ चलना मुश्किल हो जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण अटोले पाटिल ने बताया कि मुख्य सड़क पर तेज़ गति से वाहन चलने के कारण, बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को बड़ी मुश्किल और मशक्कत के साथ सड़क पार करनी पड़ती है।

हमारी एम्बुलेंस यहाँ नोबल, सह्याद्री या विलु पूनावाला अस्पताल के इलाके में स्थित हैं। मगरपट्टा चौक पर मोड़ बंद होने के कारण हमें मरीज़ों को सेवाएँ देने में भारी दिक्कत हो रही है। इससे मरीज़ों की जान जोखिम में पड़ रही है। पहले मरीज़ों को दस से पंद्रह मिनट में ही इस इलाके में सेवाएँ मिल जाती थीं। अब यह समय बढ़कर चालीस मिनट हो गया है।

- हंपलिंग भद्रे, अध्यक्ष, पुणे जिला एम्बुलेंस एसोसिएशन

मेरा ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय है और मुझे पिंपरी, भोसरी और चाकन इलाकों में गाड़ियाँ भेजनी पड़ती हैं। मगरपट्टा-खराड़ी रोड इसके लिए सुविधाजनक है। फ़िलहाल, इस सड़क तक पहुँचने के लिए मगरपट्टा फ्लाईओवर पार करना पड़ता है। लेकिन, हडपसर

और खराड़ी से आने वाले वाहनों के पुल पर इकट्ठा होने से घंटों यातायात बाधित रहता है। इससे मेरे व्यवसाय पर गहरा असर पड़ा है।

- सूरज जगताप, गणराया ट्रांसपोर्ट

नगर निगम और पुलिस ने यातायात नियोजन करते समय पैदल यात्रियों का ध्यान नहीं रखा। चौराहा बंद होने के कारण दोनों ओर से वाहन तेज़ गति से आ रहे हैं। इससे सड़क पार करना मुश्किल हो गया है। बस यात्रियों को लंबी दूरी पैदल तय करनी पड़ रही है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सभी की सुविधा के लिए ऐसे उपाय किए जाने चाहिए।

हेमंत मुले, दैनिक यात्री

मगरपट्टा चौक बंद होने से यातायात में तेज़ी आई है। फ़िलहाल, क्षेत्र के पैदल यात्रियों और मगरपट्टा पुल का इस्तेमाल करने वाले ट्रांसपोर्टरों की ओर से काफ़ी शिकायतें आ रही हैं। पुल पर यातायात जाम न हो और पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए एक अध्ययन किया जा रहा है। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार निर्णय लिया जाएगा।

- राजेंद्र करनकट, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, हडपसर यातायात शाखा

तेलुगू इंडस्ट्री का माहौल होता है प्रोफेशनलः यामिनी मल्होत्रा

पंजाबी और तेलुगू सिनेमा में शूटिंग को लेकर एक्ट्रेस यामिनी मल्होत्रा काफी फर्क बताया है। दोनों इंडस्ट्री के सेट पर काम कर चुकी एक्ट्रेस ने अपने अनुभव के आधार पर दिलचस्प बातें साझा की हैं। यामिनी का कहना है कि पंजाबी फिल्मों की शूटिंग किसी बड़े शादी समारोह जैसी होती है, जहां सबकुछ बेहद जीवंत और उत्साह से भरा होता है। उनके मुताबिक, सेट पर हंसी-मजाक, अच्छा खाना और म्यूजिक का माहौल रहता है। काम के दौरान भी यह एक परिवार जैसा लगता है, जिसमें सब एकजुट होते हैं और शूटिंग के बाद भी साथ समय बिताते हैं। रिश्ते बनते हैं और सबका व्यवहार बहुत दोस्ताना होता है। वहीं तेलुगू फिल्मों के सेट पर यामिनी का अनुभव बिल्कुल अलग रहा। उन्होंने बताया कि तेलुगू इंडस्ट्री का माहौल पूरी तरह प्रोफेशनल और सख्त होता है। वहां नियमों और समय का खास ध्यान रखा जाता है।

कलाकार और टेक्नीशियन अपना काम खत्म करते ही सीधे वैनिटी वैन में चले जाते हैं। आपस में बातचीत कम ही होती है और माहौल अक्सर बहुत औपचारिक और कभी-कभी मशीन जैसा महसूस होता है। यामिनी ने कहा कि दोनों इंडस्ट्री की अपनी-अपनी खासियतें हैं और उन्हें दोनों का ही अनुभव पसंद है। उनके मुताबिक, फिल्म की कहानी और विषय के हिसाब से भी सेट का माहौल बदलता है। पंजाबी सेट्स की गर्मजोशी और तेलुगू सेट्स की सख्त प्रोफेशनलिज्म, दोनों में उन्हें अलग-अलग तरह की सीख और मजा मिलता है। यामिनी अब अपने करियर में एक और बड़ा कदम रखने जा रही हैं। वह जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। उनकी पहली हिंदी फिल्म चिल मारना ब्रो रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म कॉमेडी ड्रामा होगी, जिसका निर्देशन तेजस दत्तानी ने किया है। फिल्म में ढेर सारे ट्विस्ट और हंसी-मजाक का तड़का होगा, जिससे दर्शकों का मनोरंजन होगा। अपनी पहली हिंदी फिल्म को लेकर उत्साहित यामिनी ने कहा, 'एक्टिंग मेरा पैशन है और बॉलीवुड में आना मेरा सपना था, जो अब सच हो रहा है। फिल्म की कहानी बहुत मजेदार है।

राधा यादव की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारत ए टीम

साधू यादव की कप्तानी में भारत ए महिला टीम क्रिकेट टीम अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल और तेज गेंदबाज टिटास साधु को भी को इस टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारत ए टीम सात से 24 अगस्त के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवीसय और चार दिवसीय मैच खेलेगी। श्रेयंका पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हुए महिला टी20 विश्व कप के बाद से ही फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं। उन्हें सितंबर में महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलने के लिए गत चैंपियन बारबाडोस रॉयल्स ने पहले ही शामिल कर लिया है। टिटास फिट नहीं होने के कारण श्रीलंका में त्रिकोणीय सीरीज के अलावा इंग्लैंड में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भी शामिल नहीं की गयीं थी। श्रेयंका बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से अनुमति मिलने के बाद ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेल पायेंगी। वहीं टिटास को खेलने की मंजूरी मिल गयी है। स्पिनर राधा इस सीरीज में टी20 के अलावा एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले के लिए टीम की कप्तान बनायी गयी हैं। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को भी सभी टीमों में शामिल किया गया है।

टी20 टीम इस प्राकर हैः

राधा यादव (कप्तान), मीनू मणि (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, डी वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिष्ट, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

वनडे और चार दिवसीय टीम :

राधा यादव (कप्तान), मीनू मणि (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, तेजल हसबनिस, राघवी बिष्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गुज्जर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

दौर के टी20 मैच

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया कार्यक्रम :

पहला टी20 मैचः 7 अगस्त (मैके)

दूसरा टी20 मैचः 9 अगस्त (मैके)

तीसरा टी20 मैचः 10 अगस्त (मैके)

एकदिवसीय कार्यक्रम

पहला एकदिवसीय मैच : 13 अगस्त (ब्रिसबेन)

दूसरा एकदिवसीय मैचः 15 अगस्त (ब्रिसबेन)

तीसरा एकदिवसीय मैच : 17 अगस्त (ब्रिसबेन)

सरफिरे मज़दूर से मुळशी सुलगा

मुस्लिमों के दुकानों पर बहिष्कार, आखिर क्या चल रहा पूरोगामी महाराष्ट्र में!

पुणे। ज़िले के मुळशी तालुका में एक सरफिरे मुस्लिम मज़दूर की गुस्ताखी. ने गांव के शांत माहौल को छिन्न-भिन्न कर दिया है। आरोप है कि इस मज़दूर ने गांव के मंदिर में जाकर न सिर्फ अश्लील हरकत की बल्कि देवस्थान का खुला अपमान किया। घटना के बाद पौड, प्रियंगुट समेत कई गांवों में गुस्से की लहर दौड़ गई। हिंदू संगठनों ने मोर्चा निकाला, नारेबाज़ी हुई – और देखते ही देखते गांव में परप्रांतीय मुस्लिमों की दुकानों और बेकरीज़ पर अघोषित बहिष्कार शुरू हो गया। गांव वालों का साफ़ कहना है – ''जो आस्था से खेलेगा, वो गांव में टिक नहीं पाएगा!'' लेकिन इस बीच कुछ लोग सवाल भी उठा रहे हैं कि एक सरफिरे की करतूत की सज़ा पूरे समाज को क्यों दी जाए? क्या बाकी मुस्लिमों की रोज़ी-रोटी पर हमला करना उचित है?

गौरतलब है कि मुळशी तालुका में बड़ी संख्या में परप्रांतीय मुस्लिम छोटे-छोटे रोजगार से अपने परिवार पाल रहे हैं। मंदिर अपमान की घटना ने स्थानीय बनाम बाहरी मज़दूरों के पुराने विवाद में नया धार्मिक रंग घोल दिया है – लेकिन कुछ ग्रामीण और समाजसेवी पूछ रहे हैं कि क्या यही पुरोगामी महाराष्ट्र की पहचान है? एक तरफ़ गांव का गुस्सा जायज़ है कि जिसने मंदिर में अश्लीलता की उसे कड़ी सज़ा मिलनी ही चाहिए – लेकिन दूसरी तरफ़ गांव के भीतर ही फुसफुसाहट है कि मासूम दुकानदारों के चूल्हे क्यों बुझाए जा रहे हैं? हालत ये है कि कई मुस्लिम दुकानदारों ने डर के मारे अपने शटर गिरा दिए हैं, कुछ इलाक़ा छोड़कर जाने की तैयारी में हैं। प्रशासन और पुलिस हालात काबू में रखने की बात कह रहे हैं – लेकिन गांव में चर्चा यही है कि सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। स्थानीय लोग सवाल कर रहे हैं – ''सरकार कब जागेगी? दोषी को सज़ा देने में देर क्यों हो रही है? जब तक ऐसे सरफिरों को सबक़ नहीं मिलेगा, गांव का गुस्सा कैसे शांत होगा? और क्या बहिष्कार से ही समाधान निकलेगा?''

अब देखने वाली बात यह होगी कि मुळशी तालुका की यह चिंगारी यहीं बुझती है या फिर पुणे ज़िले में और कहीं भी सांप्रदायिक दरार की नई लकीर खींच जाती है।

पुलिस आयुक्त चावरिया ने दिए आदेश

हर स्कूल में बनेगी बस सुरक्षा कमेटी, CCTV-गार्ड अनिवार्य

अमरावती शहर पुलिस आयुक्तालय में शुक्रवार को स्कूल बसों की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पुलिस आयुक्त अरविंद चावरिया की

अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रादेशिक परिवहन अधिकारी और समिति की नामनिर्देशित सचिव उर्मिला पवार, पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे, पुलिस उपायुक्त श्याम घुगे, सहायक पुलिस आयुक्त संजय खताले, पुलिस निरीक्षक प्रवीण वांगे, रीता उईके, ज्योति विल्हेकर, सतीश पाटिल, संगीता सोनोने, निखिल मानकर, योगेश ठाकरे, शुभम शेरेकर, प्रवीण ठाकरे और उकेश उपस्थित थे। बैठक में 5 फरवरी को हुई पिछली बैठक के निर्णयों की समीक्षा की गई और विद्यार्थियों की सुरक्षित तथा दुर्घटनारहित यात्रा के लिए नए दिशा-निर्देश तय किए गए। पुलिस आयुक्त ने जिले की सभी स्कूलों में स्कूल परिवहन समितियों का गठन तत्काल करने के निर्देश दिए और कहा कि इन समितियों की बैठकें हर तीन महीने में नियमित रूप से होनी चाहिए। भीड़भाड़ से बचने के लिए स्कूलों को बसों के समय और स्कूल की टाइम टेबल में तालमेल बैठाने की सलाह दी गई। साथ ही स्कूलों को मुख्य द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, आवश्यकता पड़ने पर निजी सुरक्षा गार्ड तैनात करने और सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश दिए गए। स्कूल बस संगठनों को बसों का नियमित रखरखाव करने, सभी वैध दस्तावेज बस में रखने, स्पीड गवर्नर, अग्निशमन यंत्र और फर्स्ट एड बॉक्स दुरुस्त रखने, आपातकालीन दरवाजे चालू हालत में रखने और क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाने के सख्त निर्देश दिए गए। हर विद्यार्थी का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने को भी कहा गया। अध्यक्ष और सचिव ने बैठक में उठाए गए मुद्दों पर संबंधित विभागों के साथ पत्राचार कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

ट्रैफिक पुलिसवाला अपने मोबाइल से चालान काटता है; उसी पर विभागीय कार्रवाई

मुंबईः अब अगर कोई ट्रैफिक पुलिसवाला अपने मोबाइल से किसी पेड़ की पीछे या किसी कोने में खड़े होकर गाड़ियों का फोटो खींचकर चालान काटता है, तो खुद उसी पर विभागीय गाज गिर सकती है। महाराष्ट्र के अतिरिक्त पुलिस महा संचालक (ट्रैफिक) प्रवीण सालुंखे ने राज्यभर के ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों को

निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट तौर पर कहा है कि चालान के लिए केवल सरकारी ई-चालान मशीन का ही इस्तेमाल करें। इस फैसले से मुंबई और महाराष्ट्र के तमाम बड़े शहरों में मोबाइल से फोटो खींचकर चालान कटाने वाले पुलिसकर्मी अब कार्रवाई के दायरे में आ जाएंगे। यह नियम पूरी महाराष्ट्र पुलिस ट्रैफिक बल के लागू होगा।

ट्रैफिक व्यवस्था में आएगी पारदर्शिता

मुंबई पुलिस के संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) अनिल कुंभारे ने बताया कि इस आदेश से ट्रैफिक व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और संबंधित पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय होगी। हालांकि, उन्होंने दिशा-निर्देश पर पहले से ही काम किए जाने की बात कही। गौरतलब है कि मुंबई समेत राज्यभर में ई-चालान मशीन में तकनीकी खामियों की वजह से कई पुलिसकर्मी मोबाइल का सहारा लेते हैं, जो बाद में उनकी आदतों में शुमार हो जाता है। अब यही आदतें उन्हें भारी पड़ सकती है।

महाराष्ट्र विधानसभा ने शहरी नक्सलवाद और वामपंथी उग्रवाद जैसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए 'विशेष नागरिक सुरक्षा बिल' पारित कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बिल को पेश करते हुए भरोसा दिलाया कि इसका दुरुपयोग नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस कानून में 12,500 से अधिक जन सुझावों को शामिल किया गया है। बिल में एक सलाहकार बोर्ड भी बनाया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या रिटायर्ड चीफ जस्टिस करेंगे।

33.355 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त; 8 लोग गिरफ्तार

मुंबई : कस्टम विभाग ने बीते तीन दिनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 33.355 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 33.35 करोड़ रुपये बताई गई है। इस मामले में 6 अलग-अलग केसों में 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि हाइड्रोपोनिक खेती वह तरीका है जिसमें पौधों को बिना मिट्टी के, सिर्फ पानी और खनिजों से उगाया जाता है। इससे तैयार किया गया गांजा ज्यादा असरदार और महंगा होता है।

कैसे हुई गिरफ्तारी?

मुंबई कस्टम के मुताबिक, 8 जुलाई से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ये कार्रवाई की गई। पहली गिरफ्तारी बुधवार तड़के हुई, जहां एक यात्री के ट्रॉली बैग से 5.024 किलो गांजा बरामद किया गया। गांजा प्लास्टिक की पैकिंग में वैक्यूम सील करके छिपाया गया था। एक अन्य यात्री से 2.425 करोड़ का गांजा पकड़ा गया। बुधवार को बैंकॉक से आए एक यात्री के पास से 2.481 किलो गांजा मिला। उसी दिन बैंकॉक से आए दो अन्य यात्रियों के पास से 11.891 किलो गांजा मिला, जिसकी कीमत 11.891 करोड़ रुपये आंकी गई।

15 जुलाई को भारत में पहली बार खुलने जा रहा है टेस्ला का एक्सपीरियंस सेंटर

मुंबई : अगर आप भी टेस्ला की गाड़ियों को सिर्फ यूट्यूब या न्यूज में देखकर खुश होते रहे हैं, और उसे हाथ लगाकर देखने और चलाने का एक्सपीरियंस लेने का सपना देखते रहे हैं तो यह जल्द ही हकीकत होने वाला है. महज़ 4 दिन बाद, यानी 15 जुलाई को भारत में पहली बार टेस्ला का एक्सपीरियंस सेंटर खुलने जा रहा है. यहां आप टेस्ला की गाड़ियों को न सिर्फ पास से देख पाएंगे, बल्कि उन्हें छू सकेंगे, बैठ सकेंगे और टेस्ट ड्राइव भी ले सकेंगे. टेस्ला का यह कदम सिर्फ एक शोरूम खोलने भर तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के मार्केट में कदम जमाने की बड़ी तैयारी का हिस्सा है.

टेस्ला 15 जुलाई को मुंबई में अपना पहला एक्सपीरियंस सेंटर खोलने जा रही है. यह सेंटर जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में होगा, जो मुंबई का एक प्रीमियम लोकेशन है और ऐपल का फ्लैगशिप स्टोर भी इसी जगह है. टेस्ला ने मार्च में यहां करीब 4000 स्क्वायर फीट की जगह लीज़ पर ली थी.

कैसा एक्सपीरियंस मिलेगा?

एक्सपीरियंस सेंटर एक ऐसा स्थान होता है, जहां ग्राहक टेस्ला की गाड़ियों को नजदीक से देख सकते हैं, उन्हें चला सकते हैं और उनके फीचर्स को इंटरैक्टिव स्क्रीन और डिस्प्ले के ज़रिए समझ सकते हैं. यह सेंटर केवल एक गाड़ियों का शोरूम नहीं है. यहां आपको मॉडल 3, मॉडल भ, मॉडल ए, मॉडलॅ और भविष्य की चर्चित गाड़ी साइबरट्रक के बारे में भी जानकारी मिलेगी. इसके अलावा, टेस्ला के एनर्जी प्रॉडक्ट्स जैसे सोलर पैनल, पावरवॉल और सोलर रूफ भी यहां दिखाए जाएंगे. ग्राहक चाहें तो यहां पर गाड़ी का टेस्ट ड्राइव भी ले सकते हैं, जिससे वे इलेक्ट्रिक कार का असली अनुभव कर सकें.

टेस्ला के कर्मचारी यहां पर लोगों को गाड़ी से जुड़ी हर जानकारी देंगे, जैसे कि बैटरी की रेंज, चार्जिंग टाइम, रखरखाव, सरकारी सब्सिडी, ऑनलाइन ऑर्डर करने की प्रक्रिया और डिलीवरी कैसे होगी. अगर कोई गाड़ी खरीदना चाहता है तो वो यहां से ही अपने मनपसंद कलर, इंटीरियर और फीचर्स चुनकर गाड़ी को कस्टमाइज़ भी कर सकता है.

47 लाख रुपये की हेरोइन जब्त

नवी मुंबई : पुलिस की नारकोटिक सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 47 लाख रुपये की हेरोइन जब्त की है और पंजाब के तरनतारन से जुड़े दो लोगों समेत कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है. सीबीडी बेलापुर में जाल बिछाकर पहली गिरफ्तारी की गई. पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर अगले पांच दिनों में बाकी सात लोगों को भी पकड़ा गया. कुल 120 ग्राम हेरोइन जब्त हुई है. एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच जारी है.

नागपाडा में 76 लाख रुपए की 'मेफेड्रॉन' (एमडी) ड्रग के साथ तस्कर गिरफ्तार

एंटी नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्रवाई

मुंबई- पुलिस की अमली पदार्थ विरोधी पथक (एंटी नारकोटिक्स सेल) की बांद्रा यूनिट ने नशे के कारोबार के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हासिल की है। नागपाडा इलाके में मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने 31 वर्षीय एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से

'मेफेड्रॉन' (एमडी) नामक कुल 307 ग्राम ड्रग बरामद हुई है, जिसकी बाजार में कीमत 76 लाख रुपए से भी अधिक आंकी गई है।

यह कार्रवाई 10 जुलाई 2025 को नागपाडा के एम.एस. अली रोड पर अंजाम दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी इलाके में मेफेड्रॉन (एमडी) की तस्करी कर इसे बेचना चाहता था। गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस ने जाल बिछाया और मौके पर छापा मारते हुए आरोपी को पकड़ा। बरामद ड्रग्स को तुरंत अपने कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत गु.र.क्र. 57/25 में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी लंबे समय से नागपाडा और आस-पास के इलाकों में ड्रग्स की तस्करी में शामिल था। पुलिस अब यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस तस्करी में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और ड्रग्स की यह खेप कहां से लाई गई थी। इस कार्रवाई से इलाके में ड्रग माफियाओं में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने साफ कर दिया है कि मुंबई को ड्रग्स से मुक्त बनाने के लिए ऐसी कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

आरपीएफ ने 6 महीने में तीन स्टेशनों पर रेलवे ट्रैक पार करने वाले 1,653 यात्रियों को पकड़ा, लाखों रुपए वसूल किया जुर्माना

वसई - पश्चिम रेलवे अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल द्वारा वसई स्टेशन से विरार स्टेशन के बीच रेल लाइन पार करने वाले यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। बीते छह महीनों में आरपीएफ ने हजारों यात्रियों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया, जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों से लाखों रुपए का जुर्माना वसूल किया गया है। इस अभियान के बाद ट्रैक पार करने वाले अन्य यात्रियों में हड़कंप मच गया है और रेलवे नियमों के पालन को लेकर सतर्कता बढ़ी है। यह पूरी कार्रवाई प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, चर्चगेट (अजय सादानी) और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, मुंबई सेंट्रल (संतोष कुमार सिंह राठौड़) के मार्गदर्शन में आरपीएफ निरीक्षक अवधेश पांडेय, नालासोपारा आरपीएफ निरीक्षक लोकेश यादव और विरार आरपीएफ निरीक्षक जे पी मीणा के नेतृत्व में आरपीएफ अधिकारी-कर्मचारी की टीम ने की है।

विरार आरपीएफ कार्यालय अंतर्गत जनवरी से जून 2025 तक रेल अधिनियम की धारा 147 के तहत कुल 1,072, केस, जुर्माने 2,11,000 रुपए और 18 पीटी-2 पीई है। वसई आरपीएफ कार्यालय ने जनवरी से जून 2025 तक कुल मामले 415, जुर्माना-80,400 रुपए 4 पीटी, नालासोपारा आरपीएफ कार्यालय अंतर्गत जनवरी से जून 2025 तक कुल मामले 166 जुर्माना 22,400 रुपए और पीटी 23 है। आरपीएफ ने वसई, नालासोपारा, विरार इन तीनों स्टेशनों में कुल 1,653 केस दर्ज करके 3 लाख 13 हजार 800 रुपए जुर्माना की राशि कोर्ट के माध्यम से वसूल करवाया है। रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत ट्रैक पार करना कानूनन अपराध है। इससे न केवल जान को खतरा होता है, बल्कि भारी जुर्माना और कोर्ट में पेशी जैसी कानूनी कार्रवाई का भी सामना करना पड़ता है।

आरपीएफ ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रैक पार करने की बजाय रेलवे द्वारा बनाए गए पुलों या उपमार्गों का उपयोग करें। रेल लाइन पार करते समय दुर्घटना की संभावना अधिक होती है, जिससे जानमाल का बड़ा नुकसान हो सकता है। रेलवे सुरक्षा बल का संदेश है,'आपकी जान की कीमत जुर्माने से कहीं अधिक है। सुरक्षित सफर को प्राथमिकता दें।'

अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

मुंबईः केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण में बड़ी सफलता मिली है। इस प्रोजेक्ट के लिए बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से शिलफाटा के बीच बन रही सुरंग में पहला ब्रेकथ्रू मिला है। यह सुरंग 21 किलोमीटर लंबी है। इसके तहत 2.7 किलोमीटर लंबी निरंतर सुरंग का निर्माण पूरा किया गया। बताया जाता है कि 9 जुलाई को महाराष्ट्र में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और शिलफाटा के बीच बनाई जा रही 21 किलोमीटर लंबी सुरंग में पहला ब्रेकथ्रू हासिल किया गया। यह ब्रेकथ्रू 2.7 किलोमीटर लंबी निरंतर सुरंग खंड के सफल निर्माण का प्रतीक है। इस प्रोजेक्ट के तहत कुल में से, पांच किलोमीटर का निर्माण शिलफाटा और घनसोली के बीच न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग करके किया जा रहा है। इसके साथ ही शेष 16 किलोमीटर का निर्माण टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) का उपयोग करके किया जाएगा। सुरंग में ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर लंबा समुद्र के नीचे का हिस्सा भी शामिल है। एनएटीएम भाग में सुरंग निर्माण में तेजी लाने के लिए, एक एडिशनली ड्रिवेन इंटरमीडिएट टनल (एडीआईटी) का निर्माण किया गया, जिससे घनसोली और शिलफाटा की ओर एक साथ खुदाई की जा सके।

1.62 किलोमीटर की खुदाई की जा चुकी; अब तक शिलफाटा की ओर से लगभग 1.62 किलोमीटर की खुदाई की जा चुकी है। इसके अलावा, एनएटीएम खंड में कुल प्रगति लगभग 4.3 किलोमीटर है।प्रोजेक्ट साइट पर व्यापक सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं, जिससे किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। इन सुरक्षा उपायों में ग्राउंड सेटलमेंट मार्कर, पीजोमीटर, इनक्लिनोमीटर, स्ट्रेन गेज और बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं। बताया जाता है कि इससे आसपास की संरचनाओं को नुकसान पहुंचाए बिना सुरक्षित और नियंत्रित सुरंग निर्माण गतिविधियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

नशे में धुत पुलिसकर्मी के ने मारी बाईक को टक्कर बाईक सवार की घटना स्थल पर ही मौत

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल ने किया मामले को उजागर

मुन्ना मुजावर

नशे में धुत पुलिस की गाड़ी ने बाइक सवार को टक्कर मारी; पुलिस ने मामले को दबाने की कोशिश की, लेकिन...

मामले को पुलिस दबाने की कोशिश कर रही थी परंतु फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल समाचार पत्र के संवाददाता मुन्ना शेरदिल मुजावर के दो दिन की भागदौड़ के बाद मामला प्रकाश में आया और आरोपी पुलिसकर्मी को हिरासत में लिया गया.

सासवड़ः सासवड़ थाने में तैनात एक पुलिसकर्मी ने नशे में धुत होकर तेज़ गति से कार चलाई और एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। दोपहिया वाहन की मौत का मामला आठ दिन बाद, गुरुवार (10 तारीख) को सामने आया। पुलिस ने मामले को दबाने की कोशिश की थी। हालाँकि, घटनास्थल पर मौजूद कुछ नागरिकों द्वारा कार की तस्वीरें लेने के कारण यह संभव नहीं हो सका। अंततः, सासवड़ थाने में संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ मामला दर्ज करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

मृतक बाइक सवार का नाम संजय रामचंद्र मोरे (निवासी सोनेरी, तालुक पुरंदर) है। इस बीच, पुलिस अधिकारी योगेश गरुड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस द्वारा दी गई जानकारी है कि 2 जुलाई की शाम को सोनेरी से सासवड़ की ओर आ रही एक कार (क्रमांक MH-12, QF-5290) ने संजय मोरे की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटनास्थल पर नागरिकों की भारी भीड़ जमा हो गई। चूंकि चालक नशे में पाया गया था, इसलिए कुछ नागरिकों ने अपने मोबाइल फोन पर कार की तस्वीरें भी लीं। रामायण, संजय मोरे को सासवड़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, उनकी हालत की गंभीरता को देखते हुए, उन्हें कोंढवा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और आठ दिनों तक उनका इलाज किया गया। हालांकि, बाद में उन्हें 2 जुलाई को मृत घोषित कर दिया गया। अंत में फोटो और सीसीटीवी फुटेज दिखाने के बाद पता चला कि कार योगेश गरुड़ की थी।

11 कर्मचारी को बचाने का प्रयास

सासवड़ पुलिस स्टेशन में ड्यूटी के दौरान, योगेश गरुड़ ने सोनोरी के पास एक होटल के सामने एक सहकर्मी के साथ कार में बैठकर शराब पी। यह हरकत होटल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसके बाद, नशे में धुत होकर, उसने चार पहिया वाहन चलाकर सासवड़ जाते हुए एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने टक्कर के बाद दोपहिया वाहन को लगभग 50 फीट तक घसीटते हुए देखा। इसके बावजूद, नागरिकों ने सासवड़ पुलिस प्रशासन पर कर्मचारी को बचाने के लिए तुरंत मामला दर्ज न करने का आरोप लगाया है।

सबूत मिटाने की कोशिश

सासवड़ पुलिस की संदिग्ध भूमिका उजागर हुई है। घटना के बाद, पुलिस अधिकारी की नशे में होने की मेडिकल जाँच कराने के बाद मामला दर्ज करने के बजाय, प्रशासन ने उन्हें जाने दिया। इस दौरान, अधिकारी ने वडकी स्थित एक शोरूम में जाकर अपनी कार की मरम्मत करवाई। नशे में होने के सबूत मिटाने की भी कोशिश की गई, और प्रशासन ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। हालाँकि, उस इलाके के सीसीटीवी फुटेज से इन अधिकारियों की असली स्थिति का पता चल गया। दुर्घटना मामले में शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। संबंधित कार एक पुलिस अधिकारी की है और आगे की जाँच में उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। -

ऋषिकेश अधिकारी, पुलिस निरीक्षक, सासवड़

हडपसर में अवैध धंधों पर लगा ब्रेक - वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय मोगल की कार्यशैली से जनता में विश्वास और अपराधियों में दहशत

प्रतिनिधिः मुन्ना मुजावर । हडपसर

हडपसर - एक समय था जब इस क्षेत्र का नाम मटका अड्डों, अवैध शराब बिक्री और स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे अनैतिक धंधों के लिए बदनाम था। आम नागरिकों के मन में असुरक्षा का वातावरण था और अपराधियों का बोलबाला बना हुआ था। लेकिन अब यह स्थिति अतीत बन चुकी है।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री संजय मोगल के हडपसर पुलिस थाने में पदस्थापन के बाद इलाके की स्थिति में सकारात्मक और सराहनीय बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व, कर्तव्यनिष्ठा और निष्पक्ष कार्यशैली के माध्यम से हडपसर क्षेत्र में कानून का विश्वास पुनः स्थापित किया है।

अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उन्होंने कई सशक्त और प्रभावशाली कार्रवाइयां कीं -

- मटका और सट्टा अड्डों पर छापेमारी,
- अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई,
- स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे अनैतिक व्यापार पर सटीक और सीधी कार्रवाई।

इन सभी कार्रवाइयों को किसी भी प्रकार के राजनैतिक या बाहरी दबाव से परे रहकर, पूरी तरह कानून की मर्यादा और जनता के हित को ध्यान में रखते हुए अंजाम दिया गया। आज हडपसर के नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास पुनः जाग्रत हुआ है। महिलाएं अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हैं, व्यापारियों को चैन की सांस मिली है और युवा वर्ग अब अपराध की राह छोड़कर क़ानून और नैतिकता के मार्ग पर आगे बढ़ने को प्रेरित हो रहा है। श्री संजय मोगल की कार्यशैली में प्रशासनिक अनुशासन, पारदर्शिता और जनहित के प्रति संवेदनशीलता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वे केवल एक अधिकारी नहीं, बल्कि एक ऐसा प्रहरी बनकर उभरे हैं, जिन्होंने हडपसर को एक बार फिर कानून के दायरे में लाकर खड़ा किया है। यह उल्लेखनीय है कि किसी भी क्षेत्र का समुचित विकास केवल आधारभूत सुविधाओं से नहीं होता, बल्कि एक सुरक्षित सामाजिक वातावरण की भी उतनी ही आवश्यकता होती है - और हडपसर अब इस दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। सरकार और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को चाहिए कि वे ऐसे कर्तव्यनिष्ठ और निर्भीक अधिकारियों का सम्मान करें, जो खुद को जनता के प्रति उत्तरदायी मानते हैं और अपने कर्म से व्यवस्था को नई दिशा देने का कार्य करते हैं।

दिवे घाट में सड़क बंद करने को लेकर विवाद; ग्रामीण और ठेकेदार आमने-सामने

मुन्ना मुजावर

यहां दिवेघाट के बीच पालखी हाईवे का काम पालखी समारोह के कारण रोक दिया गया था। पालखी समारोह समाप्त होने के बाद इसे फिर से शुरू कर दिया गया है। यहां पहाड़ तोड़ने के लिए ब्लास्टिंग के चलते सुरक्षा कारणों से सड़क बंद है, लेकिन लंबे समय तक सड़क बंद रहने पर ग्रामीण नाराज हो गए और विवाद हो गया। सासवड़ से वडकी आते समय घाट के ऊपरी हिस्से में मंदिर के पास ब्लास्टिंग के कारण एक बड़ा पत्थर सड़क पर आ गया था। तीन ब्रेकर लगाकर पत्थर को तोड़ा गया, लेकिन पत्थर बड़ा होने के कारण उसे तोड़कर अलग करने में समय लगा। यहाँ के प्रबंधक श्रीवास्तव ने बताया कि इस वजह से कुछ देर के लिए यातायात रोकना पड़ा।

यहां आरएमसी प्लांट के लिए ब्लास्टिंग के कारण यातायात रोके जाने की सूचना मिलने पर ग्रामीण पंडित मोदक सहित स्थानीय लोग इसकी जांच करने के लिए यहां कार्यालय पहुंचे, लेकिन यहां का प्रबंधक डर के कारण सामने नहीं आया। फुरसुंगी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अमोल मोरे ने दोनों पक्षों को समझने के बाद ग्रामीणों और राष्ट्रीय राजमार्ग कर्मचारियों के बीच गलतफहमी को दूर किया और यातायात प्रवाह को सुचारू किया।

प्रेमिका गर्भवती हुई तो युवक इंजीनियर ने सीधे शादी कर ली...; युवती जब पुणे आई तो सब गड़बड़ हो गया

मुन्ना मुजावर

पुणे क्राइम लेटेस्ट न्यूज़ः कॉलेज में पढ़ाई के दौरान दोनों में प्यार हो गया। दोनों 2018 से रिलेशनशिप में आ गए। उन्होंने शादी की कसमें खाईं और दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने। लेकिन, कुछ दिन पहले युवती को पता चला कि दिन बीत चुके हैं और इंजीनियर युवक ने जो किया उसे सुनकर युवती के पैरों तले जमीन खिसक गई। क्योंकि युवती को बिना बताए युवक ने उसे रबड़ी पिला दी। उसने इस रबड़ी में गर्भपात की दवा मिला दी थी। बात यहीं खत्म नहीं हुई। जब युवती ने अच्छे से देखा तो यह भी पता चला कि रूना के कई लड़कियों से संबंध थे

आरोपी की पहचान आदर्श वाल्मीक मेश्राम (28) के रूप में हुई है। वह हिंजेवाड़ी की एक निजी कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। वह और लड़की 2018 से साथ हैं।

गर्भपात के भयानक उपाय

कुछ दिन पहले आदर्श को पता चला कि लड़की गर्भवती है। 3 जुलाई को उसने उसे रबड़ी खिलाई। उसने इस रबड़ी में गर्भपात की दवा मिला दी थी। इससे लड़की की तबीयत बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जाँच के बाद यह घटना सामने आई।

एक युवती का दावा है कि शदर्श के लड़कियों से संबंध हैं।

पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में लड़की ने बताया कि आदर्श का जन्मदिन जून में था। वह पुणे से यवतमाल आई थी। उस समय उसकी नज़र आदर्श के मोबाइल फ़ोन पर पड़ी। उसमें कई लड़कियों के साथ उसकी बातचीत और तस्वीरें थीं। उसकी एक पूर्व प्रेमिका भी लड़की से मिली थी। उसने यह भी बताया कि आदर्श ने उसे धोखा दिया है।

लड़की द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 2024 में आदर्श उसे एक होटल में ले गया। वहाँ उसने उसके साथ ज़बरदस्ती की। विरोध करने पर उसने उसे पीटा और शारीरिक संबंध बनाए। उसने लड़की से शादी का वादा भी किया था। लेकिन बार-बार इस मुद्दे को उठाने के बावजूद, वह टालमटोल करता रहा। इसी बीच, वह गर्भवती हो गई। उसने इसकी ज़िम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया और गर्भपात कराने का कठोर कदम उठाया। इतना सब होने के बाद, लड़की पुलिस के पास दौड़ी और शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में हिंजेवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

शादी से बचने के लिए गर्भवती प्रेमिका को रबड़ी में गर्भपात की गोली दी; हिंजेवाड़ी में भयावह घटना

मुन्ना मुजावर

पिंपरी शादी का झांसा देकर समय-समय पर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने के बाद वह गर्भवती हो गई और अनजाने में उसे रबड़ी में गर्भपात की गोली देकर उसका गर्भपात करा दिया। साथ ही, शादी से इनकार करने पर हिंजवड़ी पुलिस ने प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना 31 दिसंबर 2023 से 3 जुलाई 2025 के बीच हिंजवड़ी में हुई। जिस प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, उसका नाम आदर्श वाल्मीक मेश्राम (28, लक्ष्मी चौक, हिंजवड़ी, मूल निवासी बल्हारशाह, चंद्रपुर) है। 28 वर्षीय पीड़ित लड़की ने हिंजवड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

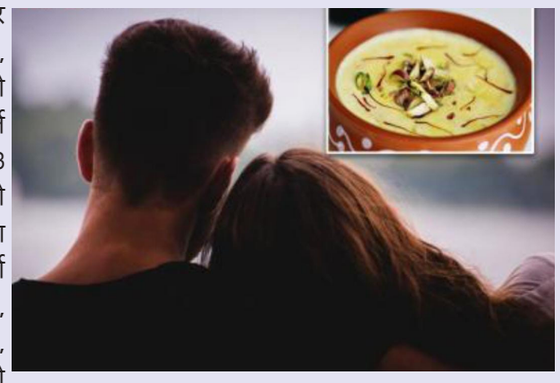

आरोपी आदर्श और पीड़ित लड़की कॉलेज के दिनों से एक-दूसरे को जानते थे। आदर्श हिंजेवाड़ी की एक कंपनी में काम करता है। जबकि पीड़ित लड़की एक इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टर है। दोनों 2018 से रिलेशनशिप में थे। वह शादी का झांसा देकर लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब शादी की बात उठी, तो आदर्श ने इनकार कर दिया। पिछले साल आदर्श ने एक होटल में लड़की के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर उसने उसके साथ मारपीट की। आदर्श का जन्मदिन 23 नवंबर 2025 को था। उसके जन्मदिन पर लड़की यवतमाल से पुणे आई थी।

उस समय, लड़की को आदर्श के मोबाइल फोन में उसके अन्य लड़कियों के साथ संबंध होने के सबूत मिले। इस बीच, वह गर्भवती हो गई। आदर्श की पूर्व प्रेमिका भी पीड़ित लड़की से मिली थी। आदर्श ने भी शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया। 3 जुलाई को, आरोपी आदर्श ने लड़की की जानकारी के बिना, उसकी योनि में गर्भपात की गोली डालकर उसकी सहमति के बिना और उसकी इच्छा के विरुद्ध उसका गर्भपात कर दिया। इसके बाद, उसने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। कुछ दिनों तक इलाज कराने के बाद, वह पुलिस के पास पहुँची। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बालाजी पंधारे ने बताया कि आरोपी यवतमाल इलाके में है। उसकी तलाश जारी है। उसे गिरफ्तार करने के लिए एक टीम भेजी गई है।

चौंकाने वाली बात! खड़कवासला इलाके में एक युवा जोड़े ने की आत्महत्या; लड़की नाबालिग थी, उसका शव जंगल में मिला

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे के खडकवासला बांध के पास जंगल में एक प्रेमी जोड़े द्वारा आत्महत्या करने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आत्महत्या करने वाले प्रेमी जोड़े के बीच तीन साल से प्रेम संबंध थे। आत्महत्या करने वाली युवती की बहन ने कल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कल दोपहर शिकायतकर्ता अपनी 16 वर्षीय बहन को क्लास के लिए छोड़ने गया था। हालाँकि, जब वह क्लास खत्म होने के बाद वापस नहीं लौटी, तो वह वानावाड़ी पुलिस स्टेशन पहुँचा। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध लड़के की भी जाँच शुरू कर दी है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि लड़का मूल रूप से अहिल्यानगर जिले के कर्जत तालुका का रहने वाला था। हालाँकि, उसका मोबाइल फोन बंद था। आज खडकवासला बांध के पास जंगल में दो शव मिलने के बाद, उत्तमनगर पुलिस वानावाड़ी पुलिस को इसकी सूचना देने पहुँची। पता चला है कि दोनों ने ज़हर खाकर आत्महत्या कर ली।

जहर खाकर जीवन लीला समाप्त कर ली; खड़कवासला के पास जंगल में दो लोगों ने ज़हर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को आत्महत्या वाली जगह से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन ज़हर की एक डिब्बी मिली है। पुलिस आगे की जाँच कर रही है।

पुणे के मशहूर कैफ़े के बन मास्क में कांच का टुकड़ा? नाराज़ ग्राहक ने सोशल मीडिया पर की शिकायत

मुन्ना मुजावर

पुणे - शहर का लोकप्रिय गुडलक कैफे एक बार फिर वापस आ गया है यह चर्चा में आ गया है। हालाँकि, इस बार इसकी वजह ईरानी चाय और बन मस्का नहीं, बल्कि बन मस्का में मिला कांच का टुकड़ा है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। नागरिकों में गुस्से की लहर दौड़ गई है।

आगे की जानकारी के अनुसार, इस घटना का अनुभव करने वाले एक ग्राहक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया और अपना गुस्सा ज़ाहिर किया। वीडियो में, ग्राहक ने साफ़ तौर पर कहा कि उसने कैफ़े में चाय और बन मस्का ऑर्डर किया था। हालाँकि, बन खाते समय उसे उसमें कांच का एक टुकड़ा मिला। यह मामला बेहद गंभीर है और इस तरह की लापरवाही ग्राहक के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकती है। गुडलक कैफ़े के प्रबंधन, रामायण ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और बताया है कि सीसीटीवी फुटेज की जाँच की जा रही है ताकि पता लगाया जा सके कि यह घटना कैसे हुई।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)